लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2382

06 अगस्त, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

कर्नाटक में रेशम समग्र योजना

2382. श्री तेजस्वी सूर्या:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार कर्नाटक में रेशम उद्योग के विकास के लिए रेशम समग्र योजना की अवधि बढ़ाने की योजना बना रही है;

(ख) सरकार द्वारा अखिल भारतीय हस्तशिल्प और हथकरघा बोर्ड की समाप्ति के बाद कर्नाटक में हथकरघा, विद्युतकरघा और हस्तशिल्प श्रमिकों को रोजगार सुरक्षा प्रदान करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(ग) कर्नाटक में रेशम किसानों का निर्वाचन क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है और उन्हें कितना न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलता है?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क): भारत सरकार ने केंद्रीय रेशम बोर्ड के माध्यम से वर्ष 2017-18 से 2020-21 की अवधि के दौरान केंद्रीय क्षेत्र योजना "सिल्क समग्र" को क्रियान्वित किया।

वर्तमान में, **वर्ष 2021-22 से 2025-26 की अवधि के दौरान कर्नाटक सहित पूरे देश में "सिल्क समग्र-2" योजना क्रियान्वित की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य भारत को बाइवोल्टाइन कच्ची रेशम के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना तथा महिलाओं और जनजातीय/अनुसूचित जातियों सहित** छोटे और सीमांत किसानों का समावेशी विकास करना है।

(ख): सरकार हथकरघा क्षेत्र के संवर्धन और विकास तथा हथकरघा बुनकरों के कल्याण के लिए कर्नाटक सहित अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम और कच्ची सामग्री आपूर्ति योजना क्रियान्वित कर रही है। इसके अतिरिक्त, हस्तशिल्प क्षेत्र में राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम और व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना क्रियान्वित की गई है।

कर्नाटक में लगभग 73,000 विद्युतकरघा प्रमुख कलस्टरों जैसे बैंगलोर, डोड्डाबल्लापुर, बेलगाम, गडग-बेतेगिरी, रकभावी - बनहट्टी आदि में फैले हुए हैं। कर्नाटक सरकार हथकरघा और विद्युतकरघा बुनकरों सहित बुनकरों को वित्तीय सहायता/रोजगार सुरक्षा प्रदान करने के लिए "नेकारा सन्मान योजना" नामक एक योजना क्रियान्वित कर रही है।

(ग): रेशम क्षेत्र/**रेशम** उत्पादन **कि**सानों को **एमएसपी के अंतर्गत** शामिल नहीं किया जाता है। कर्नाटक में रेशम किसानों का जिलावार विवरण नीचे दिया गया है:

क्रम सं.	ज़िला	कर्नाटक में रेशम उत्पादन करने वाले किसान
1	बैंगलोर ग्रामीण	7,439
2	बैंगलोर शहरी	1,328
3	चिकबलपुर	18,186
4	चित्रदुर्ग	3,423
5	दावनगेरे	566
6	कोलार	19,117
7	रामनगर	27,439
8	शिवमोगा	359
9	तुमकुरु	6,921
10	चामराजनगर	1,923
11	चिकमंगलूर	162
12	दक्षिण कन्नड़	16
१३	हसन	3,033
14	कोडागू	27
15	मंड्या	32,040
16	मैसूर	3,994
17	उडुपी	32
18	बेल्लारी	202
19	विजयनगर	3,723
20	बीदर	528
21	कलबुर्गी	1,431
22	कोप्पल	774
23	रायचुर	806
24	यादगीर	268
25	बागलकोट	1,403
26	बेलगावी	2,432
27	विजयपुरा	1,387
28	धारवाड़	271
29	गदग	978
30	हावेरी	3,026
31	उत्तर कन्नड़	330
32	मैसूर बीज कोकून उत्पादक	5,139
	कुल	1,48,703

स्रोत: रेशम उत्पादन विभाग, कर्नाटक सरकार

***